✓ "भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना में निहित उद्देश्य" —

- आरंभिक दौर के ~~इति~~ ब्रिटिश इतिहासकारों ने भारत में ब्रिटिश राज्य की स्थापना के विषय पर लिखते हुए यह दावा किया कि ब्रिटिश कम्पनी साम्राज्यवादी नहीं थी। साम्राज्य की स्थापना करना उनके उद्देश्य में नहीं था और इसके लिए उन्होंने कभी कोई योजना भी नहीं बनाया था। उनका राजनीतिक मामलों में उलझना सुरक्षात्मक प्रयत्न का परिणाम है। भारतीय राजा कम्पनी को सुरक्षा नहीं दे पा रहे थे और कई बार राजा स्वयं कम्पनी की सुरक्षा के लिए एक खतरा बन जाते थे।

इस स्थिति में कम्पनी को अपनी सुरक्षा के लिए सैन्य शक्ति का विकास, दुर्गीकरण और राजनीतिक गठजोड़ की ओर मुड़ना पड़ा, परिस्थितियों में उलझकर कम्पनी युद्ध में शामिल हुई और अपने सामर्थ्य के कारण विजयी हुई।

Scanned with CamScanner

उपरोक्त दावे का विश्वास करना सम्भव नहीं है क्योंकि –

(i) कम्पनी यदि सिर्फ और एक व्यापारिक संस्था होती तो असुरक्षा की स्थिति में किसी दूसरे देश की ओर चली जाती राजनीतिक सत्ता स्थापित करने का प्रयास नहीं करती।

(ii) भारत में ब्रिटिश कम्पनी का ~~एक स्पष्ट~~ उद्देश्य था बहुत ही स्पष्ट था जैसे कि (a) भारत पर राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित कर यहाँ से व्यापार की अधिकतम सम्भावना का लाभ उठाना।

(b) भारतीय राजस्व पर नियंत्रण कर आर्थिक लाभ प्राप्त करना,

इन्हीं दोनों उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उन्होंने दीर्घकालिक और सुनियोजित रणनीति के तहत भारत का विजय किया।

कम्पनी की रणनीति

(iii) भारत में ब्रिटिश विजय के पीछे सिर्फ कम्पनी का उद्देश्य एवं योजना मात्र जिम्मेदार नहीं है स्वयं ब्रिटिश सरकार ~~भी~~ अपने उद्देश्य और अपनी योजना के साथ साम्राज्य विस्तार में अपना योगदान दे रही थी।

सरकार का उद्देश्य :- (i) भारत के राजस्व में अपना अंश लेना।

(ii) ब्रिटेन के उद्योगों के लिए भारत से कच्चा माल प्राप्त करना।

Scanned with CamScanner

(iii) ब्रिटेन के उद्योगों के उत्पाद के लिए बाजार प्राप्त करना।

(iv) 1850 के बाद ब्रिटेन की सरकार भारत को इसलिए भी महत्वपूर्ण मानने लगी क्योंकि भारत में ब्रिटिश पूँजी का निवेश किया जा सकता था।

(v) भारतीय सेना का उपयोग कर अन्य क्षेत्रों का विजय किया जा सकता था।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सरकार ने कम्पनी को भारत में विस्तार की अपनी योजना का प्रतिनिधि बनाया। इसके तहत सरकार की योजना को तीन बिन्दुओं के माध्यम से समझा जा सकता है।:-

(i) कम्पनी को भारत में राज्य निर्माण का अधिकार देना।

(ii) भारत में विजय के लिए कम्पनी को हर सम्भव सहयोग देना।

(iii) कम्पनी पर क्रमशः अपना नियंत्रण बढ़ाते जाना। ताकि एक दिन सहजता से पूरी सत्ता अपने हाथ में लिया जा सके।

Scanned with CamScanner